भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान
करनाल–132001

हिन्दी पखवाड़ा शुभारम्भ समारोह रिपोर्ट

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में 14 से 28 सितम्बर 2022 के मध्य हिन्दी पखवाडे का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 14 सितम्बर 2022 को हिन्दी पखवाडे का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा. सुरेश कुमार चौधरी, उप महानिदेशक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रभाग ने दीप प्रज्जवलित करके किया। हिन्दी पखवाड़ा समिति के अध्यक्ष डा. राम किशोर फगोड़िया ने हिन्दी के महत्व को बताते हुए राजभाषा के नियमों व अधिनियमों की विस्तृत जानकारी दी तथा हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का विस्तृत विवरण दिया।

हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डा. एस. के. चौधरी ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक सिनेमा, प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रभाव बढ़ा है। हमें अपनी भावनाएं हिन्दी को माध्यम बनाकर व्यक्त करनी चाहिए। इस संस्थान में हिन्दी में काफी कार्य हो रहा है। हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमें अपने रोज के कार्य में हिन्दी को महत्व देना चाहिए और सहज और सरल हिन्दी भाषा में संवाद करें। अब देश–विदेश में भी हिन्दी को काफी मान–सम्मान प्राप्त हो रहा है। अगर हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर देखने चाहते हैं तो हमें बेहतर उदाहरण स्वयं बनना होगा। उन्होंने आहवान किया कि हमें भी हिन्दी का प्रयोग अधिक से अधिक करना चाहिए।

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डा॰ प्रबोध चन्द्र शर्मा ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और बताया कि स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात 14 सितम्बर, 1949 को यह निर्णय लिया गया था कि राज–काज में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग 15 वर्ष तक होगा उसके बाद केवल हिंदी राज–काज की भाषा होगी लेकिन विरोध के कारण यह निर्णय लागू नही हो पाया। आज गूगल व याहू आदि वेबसाइटों में हिन्दी का प्रयोग बढ़ रहा है। भारतीय नेता विदेशों में जाकर विश्व मंच पर हिन्दी में भाषण देते हैं। हमें अपने दैनिक कार्य हिंदी में अधिक से अधिक करने चाहिए। हिंदी एक वैज्ञानिक तथा सरल भाषा है इसलिए इसका अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने हिन्दी के महत्व, देशभक्ति तथा सामाजिक सुधार से संबंधित विषयों पर प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में संस्थान के नियमित एवं अनियमित कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते हुए डा. नीना शर्मा ने कहा कि हिन्दी सिर्फ भाषा नहीं है बल्कि अहसास है, यह हमारी पहचान है। हिन्दी एक समृद्ध भाषा है जिसमें शब्दो की बहुलता है। इसमें सारी भाषाओं के शब्दों का समाहित किया गया है। हिन्दी में अनेक पर्यायवाची शब्द हैं, यही इस भाषा की विशेषता है।

इस अवसर पर कविता पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन करने के लिये डा. राजपाल वैरागी, डा. नीना शर्मा, वरिष्ठ अध्यापिका (हिन्दी) सेंट थेरेसा कॉन्वेंट विद्यालय एवं डा. बीर सिंह अध्यक्ष एवं सहायक आचार्य (हिन्दी विभाग) गुरू नानक खालसा महाविद्यालय, निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में सहयोग किया। इस अवसर पर डा. सुरेश कुमार, वैज्ञानिक, कृषि अर्थशास्त्र ने परिणाम बनाने में सहायता की एवं मंच संचालन डा. राजकुमार, वैज्ञानिक (बागवानी) ने किया। सभी प्रभागाध्यक्ष, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, संस्थान के समस्त वैज्ञानिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के अन्त में डा. राजकुमार, वैज्ञानिक (बागवानी) ने सभी को धन्यवाद प्रस्तुत किया।

<table>
<tr><td>
</td><td>
</td></tr>
<tr><td>हिन्दी पखवाड़े के शुभारम्भ के अवसर पर सभा को संबोधित करते मुख्य अतिथि डा. सुरेश कुमार चौधरी</td><td>सभा को संबोधित करते हुये संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा</td></tr>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td colspan="2">कविता पाठ प्रतियोगिता का आनंद लेते हुए संस्थान के सदस्य</td></tr>
</table>